AN INITIATIVE OF
GOVINDBHAI C. PATEL FOUNDATION

आपके
अंग दान के माध्यम से
किसी का दिल
धड़कता रहेगा

Shatayu
The Gift of Life

शतायु: जीवन का अनमोल उपहार

मशहूर कवि, कलाकार और लेखक खलील जिब्रान ने एक बार खूबसूरती से कहा था, "जब आप अपनी संपत्ति देते हैं तो आप बहुत कम देते हैं। जब आप खुद को देते हैं तो आप असल में कुछ देते हैं।" ये गहरे शब्द अंगदान के सार को दर्शाते हैं, एक ऐसा सिद्धांत जो भारत जैसे देश में बहुत महत्व रखता है, जहाँ दिवाली, ईद या क्रिसमस जैसे त्योहारों के दौरान देने की भावना का जश्न मनाया जाता है।
इस नेक काम को अपनाकर, लोग पारंपरिक उत्सवों से परे देने की भावना का विस्तार कर सकते हैं, सामूहिक कल्याण और साझा मानवता की संस्कृति में योगदान कर सकते हैं।

अंगदान का कार्य केवल भौतिक संपत्ति के ट्रांसफ़र से परे है, इसमें दूसरों को एक नए जीवन का मौका देने के लिए अपने स्वयं के अंगों का निःस्वार्थ योगदान शामिल है। यह परोपकारी भाव देने के उस लोकाचार के साथ संरेखित है जो भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने में गहराई से समाया हुआ है, जैसा कि विभिन्न उत्सवों के अवसरों पर प्रदर्शित उदारता में प्रकट होता है।

शतायु एक संगठन से बढ़कर है; यह एक दयालु शक्ति है - गणेश हाउसिंग लिमिटेड के अटूट समर्थन के साथ, गोविंदभाई सी पटेल फाउंडेशन द्वारा गर्व से संचालित एक गैर-लाभकारी, सार्वजनिक सेवा पहल। इसका दोहरा मिशन भारत में अंगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाना और जीवन के अनमोल उपहार के प्रति लोगों के दृष्टिकोण को बदलना है।

"शतायु" नाम भारतीय धर्मग्रंथों में पाए जाने वाले सदियों पुराने आशीर्वाद 'शतायु भव' से प्रेरणा लेता है, जिसका अनुवाद 'जब तक आप 100 वर्ष के न हो जाएं तब तक जीवित रहें' होता है। शतायु में, प्रत्येक मनुष्य को धन्य माना जाता है, और लक्ष्य है सभी को सौ और उससे आगे तक जीने का मौका देना, चाहे वह उनके अपने जीवन में हो या दूसरों के जीवन के माध्यम से।

आपके सवालों के जवाब

अंगदान क्या होता है?

जब कोई मर जाता है, तो उसके अंगों को निकालकर किसी और ज़रूरतमंद को लगाया जा सकता है। इसे ही अंगदान कहते हैं। जो व्यक्तिअंग देता है उसे दाता कहते हैं और जिसे अंग मिलता है उसे प्राप्तकर्ता कहते हैं।

अंगदान कौन कर सकता है?

कोई भी व्यक्ति, चाहे वह बच्चा हो या बूढ़ा, अंगदान कर सकता है। अगर आपको पहले कोई गंभीर बीमारी रही है, तब भी आप कुछ स्थितियों में अंगदान कर सकते हैं।

कौन-कौन से अंग दान किए जा सकते हैं?

अगर किसी व्यक्तिका ब्रेन डेथ हो जाता है, तो उसके दिल, लीवर, गुर्दे, फेफड़े, अग्न्याशय और आंत जैसे ज़रूरी अंग दान किए जा सकते हैं। ब्रेन डेथ का मतलब है कि मस्तिष्क ने काम करना बंद कर दिया है और व्यक्तिको मशीनों के सहारे ज़िंदा रखा जा रहा है। इसके अलावा, कॉर्निया, हृदय वाल्व, हड्डियां, त्वचा और नसें जैसे टिशू भी दान किए जा सकते हैं।

क्या अंगों को खरीदा और बेचा जा सकता है?

नहीं, ऐसा करना ग़ैरकानूनी है। मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत अंगों का व्यापार करना एक दंडनीय अपराध है।

ब्रेन डेथ क्या है?

ब्रेन डेथ एक ऐसी हालत है जिसमें मस्तिष्क ने पूरी तरह से काम करना बंद कर दिया होता है और यह हालत पलट नहीं सकती। ऐसा तब होता है जब मस्तिष्क में बहुत गंभीर चोट लग जाए या दिमाग में खून जम जाए। ऐसे में व्यक्तिअपने आप सांस नहीं ले सकता और उसे मशीनों पर रखा जाता है। ब्रेन डेथ की स्थितिमें भी व्यक्तिके अंग और टिशू दान किए जा सकते हैं।

कार्डियक डेथ क्या है?

कार्डियक डेथ तब होती है जब दिल और सांस ने काम करना बंद कर दिया हो। इससे शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है और सभी अंग और टिशू मर जाते हैं। कार्डियक डेथ के बाद भी कुछ टिशू दान किए जा सकते हैं।

ब्रेन डेथ और कोमा में क्या अंतर है?

कोमा में व्यक्तिबेहोश होता है लेकिन उसका मस्तिष्क काम कर रहा होता है। वह अपने आप सांस ले सकता है और उसके ठीक होने की उम्मीद होती है। जबकी ब्रेन डेथ में मस्तिष्क ने काम करना पूरी तरह से बंद कर दिया होता है और यह हालत पलट नहीं सकती। यह किसी दुर्घटना या दिमाग में खून जमने की वजह से हो सकता है।

अंगों को कब निकालना चाहिए?

ब्रेन डेथ होने के तुरंत बाद, जब तक मशीनों के ज़रिए खून का दौरा जारी है, तब अंगों को निकाल लेना चाहिए। आँखों का दान मृत्यु के 6 घंटे के अंदर किया जा सकता है। कुछ टिशू 12 से 24 घंटे के अंदर भी दान किए जा सकते हैं।

क्या कोई जीवित व्यक्तिअंगदान कर सकता है?

हाँ, कोई जीवित व्यक्तिअपना एक गुर्दा, लीवर का एक हिस्सा, या अग्न्याशय का एक हिस्सा दान कर सकता है। लेकिन यह दान वह सिर्फ़अपने रक्त संबंधी को ही कर सकता है।

क्या अंगदान करने से मेरे शरीर का रूप बिगड़जाएगा और अंतिम संस्कार में कोई दिक्कत होगी?

नहीं, ऐसा नहीं होगा। अंग निकालने का काम ट्रेन्ड डॉक्टर बड़ी ही सावधानी से करते हैं। इससे शरीर का रूप नहीं बिगड़ता और न ही अंतिम संस्कार में कोई परेशानी होती है।

क्या किसी धर्ममें अंगदान को लेकर कोई आपत्तिहै?

ज़्यादातर धर्मअंगदान का समर्थन करते हैं। अगर आपको कोई शंका है, तो आप अपने धार्मिक गुरु से इस बारे में बात कर सकते हैं।

क्या अंगदान करने पर मेरे परिवार को पैसे देने होंगे?

नहीं, अंगदान करने में कोई खर्चनहीं आता। यह एक तरह का उपहार है।

मैं अंगदान कैसे कर सकता हूँ?

अंगदान करने के लिए आपको शतायु में रजिस्टर करना होगा। अपना डोनर कार्डहमेशा अपने पास रखें और अपने परिवार को भी इस बारे में बताएँ।

क्या मैं बाद में अपना फैसला बदल सकता हूँ?

हाँ, आप अपना फैसला बदल सकते हैं। इसके लिए आपको शतायु को लिखित में सूचित करना होगा और अपने परिवार को भी इस बारे में बताना होगा।

कुछ रोचक और कम ज्ञात तथ्य
अंगदान के बारे मे

उम्र कोई बाधा नहीं है

कोई भी व्यक्ति, चाहे किसी भी उम्र का हो, अंगदाता बन सकता है। उम्र से ज़्यादा ज़रूरी है अंग की स्थिति, जो हर मामले में अलग-अलग जांची जाती है।

जीवित व्यक्ति भी अंगदान कर सकते हैं

जैसे कि एक गुर्दा या लीवर का हिस्सा।

एक दाता, कई ज़िंदगियाँ

एक अंगदाता अपने हृदय, यकृत, गुर्दे, फेफड़े, अग्न्याशय और छोटी आंत दान कर के 9 लोगों तक की जान बचा सकता है।

टिश्यू भी दान किए जा सकते हैं

जैसे कॉर्निया, त्वचा, हृदय के वॉल्व और हड्डियाँ — जो कई लोगों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर बना सकते हैं।

अंग मिलान एक जटिल प्रक्रिया है

इसमें ब्लड ग्रुप, टिश्यू टाइप, मेडिकल ज़रूरत, प्रतीक्षा समय और स्थान जैसे कई कारकों का ध्यान रखा जाता है।

जरूरत बहुत ज़्यादा है

दुनियाभर में अंगों की भारी कमी है। हर साल कई लोग सिर्फ इसलिए जान गंवा देते हैं क्योंकि उन्हें समय पर अंग नहीं मिल पाता।

धार्मिक दृष्टिकोण अलग हो सकते हैं

अधिकांश धर्म अंगदान को परोपकार मानते हैं, लेकिन जागरूकता फैलाने के लिए धार्मिक मान्यताओं को समझना ज़रूरी है।

अंतिम संस्कार में कोई बाधा नहीं आती

अंगदान के बाद भी पारंपरिक अंतिम संस्कार सम्मानपूर्वक किया जा सकता है। शरीर को पूर्ण आदर के साथ संभाला जाता है।

प्रतीक्षा सूची लंबी हो सकती है

मांग अधिक और दान कम होने के कारण, मरीज़ों को लंबा इंतज़ार करना पड़ता है। इसलिए अधिक से अधिक लोगों का रजिस्ट्रेशन ज़रूरी है।

दुनिया में प्रति 10 लाख लोगों पर अंगदाताओं की संख्या

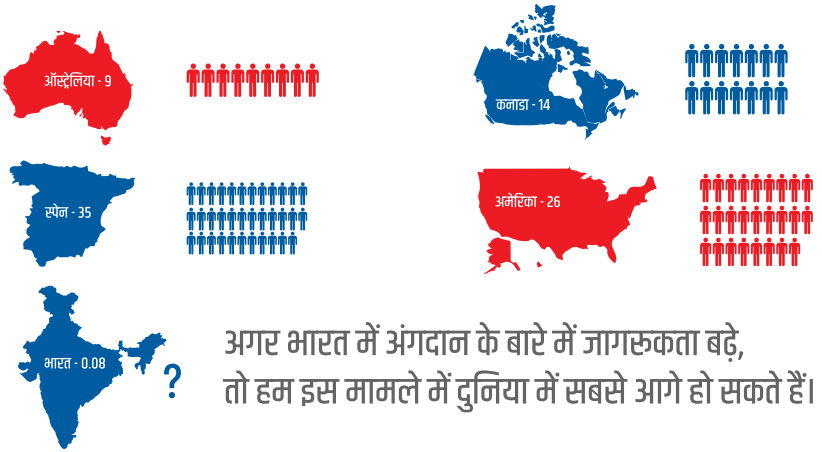

अगर भारत में अंगदान के बारे में जागरूकता बढ़े,
तो हम इस मामले में दुनिया में सबसे आगे हो सकते हैं।

भारत में गुर्दा दाताओं की वार्षिक आवश्यकता

1,00,000

४०%

भारत में लोग गुर्दे की बीमारियों से पीड़ित हैं

वार्षिक संख्या शव दान

अमेरिका > ६००

भारत < १००

विभिन्न समाचार स्रोतों और सर्वेक्षणों से एकत्रित जानकारी

अंगदान से आप
9 लोगों की जान बचा सकते ह

आँखें दिल गुर्दा फेफड़े लीवर अग्न्याशय

क्या आपको पता है ?

यदि आप अपने अंग और ऊतक दान करने का निर्णय लेते हैं, तो आप 50 लोगों तक की मदद कर सकते हैं।

आपका हृदय किसी और के लिए धड़क सकता है। आपके फेफड़े किसी और के लिए सांस ले सकते हैं। आपकी गुर्दे दो लोगों को डायलिसिस से मुक्ति दिला सकते हैं। आपका यकृत (लिवर) प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे किसी व्यक्ति की जान बचा सकता है। आपकी कॉर्निया दो लोगों को दृष्टि दे सकती हैं। आपकी हड्डियाँ अन्य लोगों के क्षतिग्रस्त जोड़ों की मरम्मत में मदद कर सकती हैं। आपकी त्वचा कई जलन पीड़ितों को राहत दे सकती है।

गुजरात में अंग प्रत्यारोपण अस्पताल

अहमदाबाद
1. एपिक अस्पताल (सोला)
2. किडनी रोग एवं अनुसंधान केंद्र संस्थान (न्यू आईकेडीआरसी) और डॉ. एच.एल. त्रिवेदी प्रत्यारोपण विज्ञान संस्थान
3. के.डी अस्पताल
4. जीसीएस अस्पताल
5. ज़ाइडस हॉस्पिटल
6. नारायणा मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल
7. मारेंगो सिम्स अस्पताल
8. यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर (सिविल अस्पताल परिसर)
9. साल अस्पताल
10. शाल्बी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल (एस.जी. हाईवे)
11. स्टर्लिंग मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल
12. हेल्थ वन अस्पताल

आणंद
1. ज़ाइडस अस्पताल

गांधीनगर
1. अपोलो हॉस्पिटल इंटरनेशनल लिमिटेड

नडियाद
1. मुलजीभाई पटेल यूरोलॉजी अस्पताल

राजकोट
1. बी.टी. सवानी किडनी अस्पताल
2. सिनर्जी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल

वडोदरा
1. आदित्यूरा सुपरस्पेशलिटी अस्पताल
2. गुजरात किडनी एवं सुपरस्पेशलिटी अस्पताल (हरिपुरा)
3. जायडस अस्पताल
4. ट्राइकलर अस्पताल
5. पारुल सेवाश्रम अस्पताल
6. भाईलाल अमीन जनरल अस्पताल
7. स्टर्लिंग मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल (वाघोडिया)

वापी
1. एल.जी. हरिया रोटरी अस्पताल

सूरत
1. किरण अस्पताल
2. महावीर अस्पताल
3. मेटास एडवेंटिस्ट अस्पताल
4. शेल्बी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल

अंगदान - रजिस्ट्रेशन फॉर्म

Shatayu
The Gift of Life

दाता की जानकारी

नाम: _____

लिंग: ☐ पुरुष ☐ महिला

पता: _____

_____

_____

मोबाइल: _____ फ़ोन: _____

ईमेल: _____

जन्म तिथि: _____ / _____ / _____ (DD/MM/YY)

रक्तसमूह: _____

ड्राइवि गं लाइसेंस _____

दाता के हस्ताक्षर: _____

तारीख: _____

परिवार के सबसे करीबी व्यक्तिकी जानकारी

नाम: _____

पता: _____

_____

_____

फ़ोन: मोबाइल: _____

ईमेल: _____

रिश्ता: _____

मैं यह जानता/जानती हूँ कि _____ मरने के बाद अपने अंग दान करना चाहते/चाहती हैं।

परिवार के सबसे करीबी व्यक्तिके हस्ताक्षर: _____

मैं मरने के बाद अपने अंग दान करना चाहता/चाहती हूँ।
कृपया नीचे दिए गए अंगों में से जो आप दान करना चाहते हैं उन पर निशान लगाएँ:

☐ किडनी ☐ लीवर ☐ फेफड़े ☐ पूरा शरीर ☐ चमड़ी
☐ दिल ☐ आँखें ☐ अग्न्याशय ☐ शरीर का कोई भी हिस्सा

Shatayu
The Gift of Life

सूचना प्रकटीकरण और पंजीकरण के लिए सहमति पत्रमैं अवगत हूँ कि यदि मैं अपनी प्रस्तुति से संबंधित जानकारी जारी करने के लिए सहमत होता/होती हूँ, तो वह व्यापक रूप से उपलब्ध कराई जा सकती है। अर्थात्, वह जानकारी शतायु वेबसाइट पर प्रकाशित की जा सकती है और मुद्रित प्रतियों के रूप में भी उपलब्ध हो सकती है। मुझे यह भी ज्ञात है कि इस जानकारी का आगे आने वाले प्रकाशनों में भी उल्लेख किया जा सकता है।कोई भी व्यक्तिगत जानकारी, जैसे कि संपर्क विवरण, जो मैं प्रदान करता/करती हूँ, वह शतायु के सदस्यों के साथ साझा की जाएगी। इस प्रकार की जानकारी का किसी अन्य उद्देश्य के लिए उपयोग या प्रकटीकरण, मेरी पूर्व लिखित सहमति के बिना नहीं किया जाएगा।शतायु अंगदान रजिस्टर, किसी दाता द्वारा अपने परिजनों के अंगदान के लिए दी गई लिखित सहमति को प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे उनके परिजन उनकी अंतिम इच्छा को पूर्ण कर सकें। दाता किसी भी समय शतायु फाउंडेशन ऑफ ऑर्गन डोनेशन को लिखित रूप से सूचित करके अपना पंजीकरण रद्द कर सकता/सकती है।मैं ऊपर उल्लिखित सभी शर्तों को स्वीकार करता/करती हूँ।

अंगदान के बारे में कुछ ज़ रुरी बातें

भारत में **1.5** करोड़लोग अंधे हैं।
हर साल सिर्फ़ **18,000** लोग ही आँखें दान करते हैं।
भारत में **1 लाख** गुर्दादाताओं की ज़रूरत है।
40% भारतीयों को किसी न किसी तरह की गुर्देकी बीमारी है।
अमेरिका में हर साल **6000** से ज़्यादा अंगदान होते हैं, जबकिभारत में 100 से भी कम।

ये सभी तथ्य विभिन्न स्रोतों से लिए गए हैं।

GANESH HOUSING LIMITED®
(Formerly known as Ganesh Housing Corporation Limited)

'शतायु' एक गैर-लाभकारी संगठन है - यह गोविंदभाई सी. पटेल फाउंडेशन द्वारा एक सार्वजनिक सेवा पहल है।

जुड़ें:

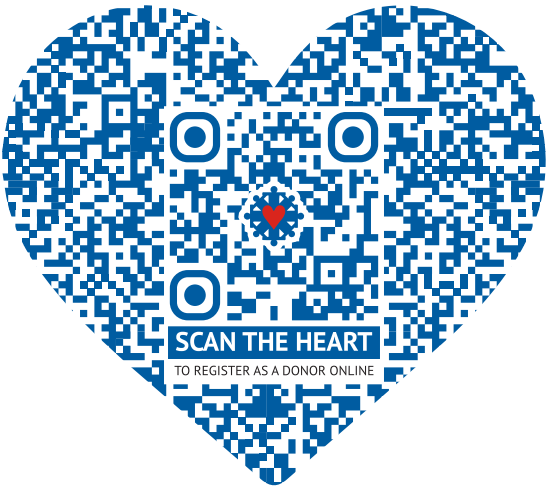

GANESH HOUSING LIMITED

(Formerly known as Ganesh Housing Corporation Limited)

गणेश कॉर्पोरेट हाउस

100 फीट हेबतपुर- थलतेज रोड, सोला ब्रिज के पास एस.जी. हाईवे, अहमदाबाद-380054

कॉल करें: ०७९ - ६६१८९०००

यह ब्रोशर केवल जागरूकता के उद्देश्य से है।